

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 17 दसिंबर, 2020

### बोरसि जॉनसन

ब्रिटन के प्रधानमंत्री बोरसि जॉनसन अगले वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दविस परेड में मुख्य अतिथि होंगे। वर्ष 2019 में पदभार ग्रहण करने के पश्चात् बोरसि जॉनसन की यह भारत यात्रा रणनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्त्वपूर्ण होगी। स्वतंत्रता प्राप्त के बाद भारत के गणतंत्र दविस परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हस्सि लेने के लिये भारत आने वाले बोरसि जॉनसन दूसरे ब्रिटिश प्रधानमंत्री होंगे, इससे पूर्व वर्ष 1993 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री जॉन मेजर मुख्य अतिथि के तौर पर भारत आए थे। बोरसि जॉनसन की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में और अधिक सुधार होने की उम्मीद है। वदिति हो कि यह यात्रा ऐसे समय में की जा रही है, जब बरेकजिट (Brexit) की प्रक्रिया तकरीबन पूर्ण होने वाली है, ऐसे में ब्रिटन को व्यापार समेत वभिन्न पहलुओं पर नए साझीदारों की आवश्यकता है और भारत इस भूमिका को बखूबी नभिा सकता है। इसके अलावा ब्रिटन के प्रधानमंत्री बोरसि जॉनसन ने भारत के प्रधानमंत्री को अगले वर्ष आयोजित होने वाले G7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया है, जिसकी मेजबानी ब्रिटन द्वारा की जा रही है। भारत उन तीन देशों में से एक है जिन्हें ब्रिटन द्वारा G7 शिखर सम्मेलन के लिये अतिथि राष्ट्र के तौर पर आमंत्रित किया गया है, अन्य दो देश ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया हैं।

### चलिाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल लाइन

भारत-बांग्लादेश वरचुअल समटि के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने संयुक्त रूप से भारत-बांग्लादेश के बीच चलिाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल लकि का उद्घाटन किया। इसी के साथ भारत-बांग्लादेश के बीच लगभग 55 वर्ष बाद पुनः चलिाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल संपर्क खोल दिया जाएगा, जिसे वर्ष 1965 में भारत-पाकसितान युद्ध के दौरान बंद कर दिया गया था। हल्दीबाड़ी (पश्चिम बंगाल) से चलिाहाटी (बांग्लादेश) तक की यह रेलवे लाइन अब दोनों देशों के बीच आवागमन को आसान बनाने, आपसी संपर्क और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिये पुनः चालू की जा रही है। साथ ही यह रेलवे लाइन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार की दृष्टि से भी काफी महत्त्वपूर्ण साबित होगी। फलिहाल यह रेल ट्रैक केवल माल ढुलाई के लिये उपलब्ध होगा, कति जल्द ही बुनयिादी ढाँचे की व्यवस्था के बाद दोनों तरफ से यात्रियों की आवाजाही शुरु हो जाएगी।

### यूवी-एलईडी और कोरोना वायरस

इजराइल के तेल अवीव विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपने एक शोध में सिद्ध किया है कि कोरोना वायरस को पराबैंगनी-प्रकाश उत्सर्जक डायोड यानी यूवी-एलईडी (UV-LEDs) का उपयोग करके आसानी से मारा जा सकता है। शोध के दौरान कोरोना वायरस परविर के सभी सदस्यों, जिसमें SARS-CoV-2 भी शामिल है, पर यूवी-एलईडी विकिरण की कीटाणुशोधन क्षमता का आकलन किया गया। शोध में पाया गया कि पराबैंगनी-प्रकाश वाले एलईडी (LED) बल्बों का उपयोग करके कोरोना वायरस को आसानी से खत्म किया जा सकता है। हालाँकि शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि घरों के अंदर की सतह को कीटाणुरहित करने के लिये इस पद्धति का प्रयोग करना खतरनाक हो सकता है। इस पद्धति का प्रभावी ढंग से प्रयोग करने के लिये ऐसा सिस्टम डिजाइन किया जाना आवश्यक है, जिससे कोई भी व्यक्ति प्रत्यक्ष तौर पर प्रकाश के संपर्क में न आए।

### हमिलय के लिये क्षेत्रीय जलवायु केंद्र

भारत हमिलयी पर्वत क्षेत्र के लिये एक क्षेत्रीय जलवायु केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है, जो न केवल देश के भीतर मौसम की जानकारी संबंधी सेवाएँ प्रदान करेगा बल्कि आसपास के पड़ोसी क्षेत्रों में भी इन सेवाओं का लाभ उठाया जा सकेगा। ज्ञात हो कि चीन भी हमिलयी क्षेत्र में इसी प्रकार का एक क्षेत्रीय जलवायु केंद्र स्थापित कर रहा है। यह क्षेत्रीय जलवायु केंद्र हमिलयी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों विशेष तौर पर किसानों और जनजातियों के लिये मौसम से संबंधित सेवाएँ प्रदान करेगा। हमिलय के आकार और भारत की जलवायु, आपदा प्रबंधन, पारस्थितिकी तंत्र तथा कई अन्य गतिविधियों में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के चलते इसे 'वशिव का तीसरा ध्रुव' भी कहा जाता है।